हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, अप्रैल 8, 2024

11 89 लोगों ने किया रक्तदान

12 स्वतंत्रता सेनानी कंवल सिंह दलाल की मूर्ति हुई स्थापित

पानी से भरी बाल्टी में गिरने से मासूम की मौत

बहादुरगढ़। मामले में परिजनों के बयान लेते जांच अधिकारी राजेंद्र सिंह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के छोटूराम नगर में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां पानी से भरी बाल्टी में डेढ़ वर्षीय मासूम बच्चा औंधे मुंह गिर गया। वह काफी देर तक पानी में छटपटाता रहा और जब तक किसी की नजर पड़ती, देर हो चुकी थी। पीजीआई रोहतक में ईलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। रविवार को पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में लाइनपार थाना पुलिस ने घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की है।

■ बाल्टी में काफी देर तक छटपटाता रहा मासूम, समय रहते किसी की नजर नहीं गई

दरअसल, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर का मोनू पिछले कुछ समय से यहां छोटूराम नगर में रह रहा है। शनिवार को वह काम पर गया हुआ था। पत्नी व बच्चे घर पर थे। दोपहर को उसकी पत्नी किसी काम में लगी थी। तीनों बच्चे खेल रहे थे। करीब डेढ़ वर्षीय आरव खेलता-खेलता पानी की बाल्टी तक जा पहुंचा और दुर्घटनावश उसमें औंधे मुंह गिर गया। वह पानी में छटपटाता रहा, लेकिन समय रहते किसी की नजर उस पर नहीं पड़ी। करीब 15 मिनट बाद जब मोनू की पत्नी को आरव नजर नहीं आया तो वह ढूंढ़ने लगी। बाल्टी में आरव बेसुध हालत में पाया गया। उसकी हालत नाजुक थी। आनन-फानन में परिजन उसे पीजीआई रोहतक ले गए। जहां इलाज के दौरान रविवार को बच्चे ने दम तोड़ दिया। उधर, सूचना पाकर लाइनपार थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों के बयान लिए। बयान के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। आरव तीन बच्चों में सबसे छोटा था। उसकी मृत्यु से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। लाइनपार थाने से मामले के जांच अधिकारी राजेंद्र सिंह का कहना है कि शनिवार को छोटूराम नगर में एक बच्चा पानी से भरी बाल्टी में गिर गया था। परिजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है।

पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्र में निकाला फ्लैग मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस प्रशासन में मुस्तैद है। लगातार फ्लैग मार्च निकाले जा रहे हैं। इसी सिलसिले में रविवार को बहादुरगढ़ सदर थाना क्षेत्र के गांवों में फ्लैग मार्च निकाला गया। माजरा, डाबोदा, सिद्दीपुर, लोवा, इस्सरहेड़ी सहित थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पुलिस का काफिला गुजरा।

सदर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने इस मार्च की अगुवाई की। इस दौरान कुछ जगहों पर पुलिस ग्रामीणों से रूबरू हुई। पुलिस प्रशासन ने लोगों को चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का भरोसा दिलाया। साथ ही लोगों से भी कानून व्यवस्था बरकरार रखने में सहयोग की अपील की। लोगों से कहा गया कि चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह से चौकस है लेकिन आम नागरिकों का सहयोग भी जरूरी है।

अपराध पर अंकुश लगाने में भी पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है। यदि आम जन को कहीं कुछ शंका

बहादुरगढ़। फ्लैग मार्च के दौरान गांव से गुजरता पुलिस का काफिला।

THE HEIGHTS
SPONSORS OF TOMORROW EDUCATION

सबसे ज्यादा हरियाणा टॉपर देने वाली संस्था
दिखावा कम – काम ज्यादा
जीत लिया हरियाणा...

THE HEIGHTS SR. SEC. SCHOOL
Vill. Khudan Jhajjar (School Code 41908)

Admission Open Nursery to 12th

WHY? THE HEIGHTS

Navinder Kumar
Director
M.C.A, M.Tech.
M.C.P.D.E.A, M.C.T.S
L.LB, E.P.G.D.M, IIM Rohtak
(18 yrs. Experience)
Ex. Employee of HCL
Accenture, AVANADE (Microsoft)

Jitender Kumar
Principal
M.Sc., M.Tech, B.Ed.
H.O.D. Mathematics
(15 yrs. Experience)
Ex. Emloyee
Haryana Govt.

Engineer Vikash
H.O.D. Physics
B.Tech., M.Tech.
(13 yrs. Experience)
Ex. Employee of
Corel Telecom

➡ सबसे ज्यादा हरियाणा टॉपर देने वाली संस्था
➡ दिखावा कम – काम ज्यादा
➡ पैसा वसूल (Value for Money)
(कक्षा 10+1 व 10+2 विज्ञान संकाय की फीस ₹5000 से भी कम)
➡ The Most Trusted Academy of Jhajjar
(10+2 के 3000 से भी अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण हो चुके हैं)
➡ फिजिक्स, कैमेस्ट्री, बॉयोलोजी व कम्प्यूटर लैब दी हाइट्स अकादमी झज्जर में ही उपलब्ध।
➡ Special coaching for IIT-JEE, NEET, CUET CLAT with Schooling
➡ Indoor Games Facilities with Competitive Environment

The Heights Academy
Behind Old Bus Stand
Arya Nagar, Jhajjar - 124103
E-mail : theheightsjjr@gmail.com M. : 8816016081, 9812090310

Admissions Start for Class 8th to 12th

The Heights (Run & Managed by IIM Alumnus)

INDO AMERICAN SCHOOL, JHAJJAR
Delhi Road, Agrasen Chowk, Jhajjar-124103
9812017082, 9813288030
Website: www.indoamericanjjr.com

ADMISSION OPEN 2024-25

ENROLL NOW !

- Individual Skill Development.
- Internet of Things (Robotics) & Advance Programing.
- Smart Classroom Concept.
- New Curriculum Based Education for Junior Section.
- Language Lab.

Foundation Classes for (6-10)
IIT-JEE | NEET | NDA | Olympaid (for 11th & 12th)

Our Shining Stars (2022-23)

DEEPANSHU 97.8%

SHANVI 97%

SHUBHAM 96%

NIDHI 95%

जो मनुष्य परमात्मा का ज्ञन प्राप्त कर लेता है, वह परमात्मा का ही स्वरूप बन जाता है और इस तरह सिद्ध है कि गुरू के आसन पर मनुष्य नहीं किन्तु परमात्मा स्वयं आसीन रहते हैं।

-सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

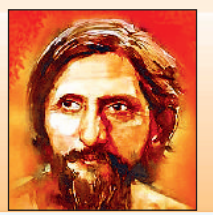

मैं जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह सामाजिक विषमता जनमानस में गहरी पैठ बनाए हुए है।

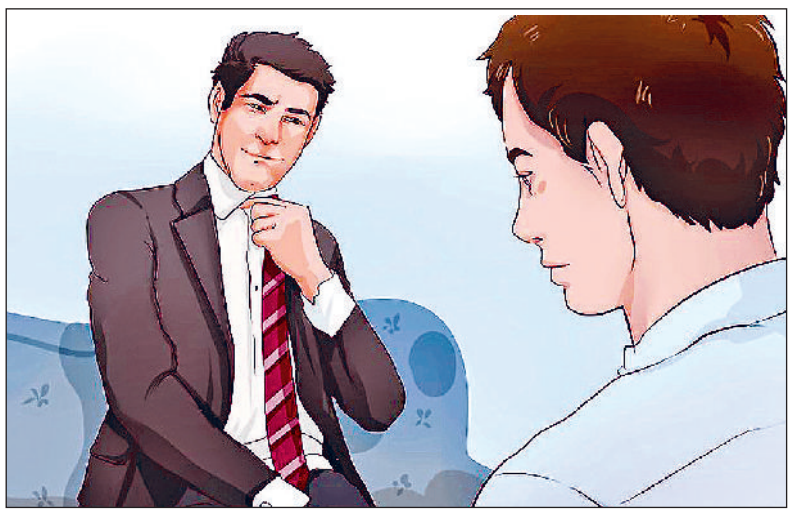

तेरी औकात मेरी औकात

कहानी | डॉ. रमेशचंद्र

उन दिनों मैं काम की तलाश में भटक रहा था। मुझे कोई काम नहीं मिल रहा था। हार कर मैंने यह तय कर लिया कि मुझे छोटा मोटा जो भी काम मिल जाएगा, मैं कर लूंगा। भूखों मरने से तो अच्छा है कि कुछ कमाकर भूख मिटाऊं। मैं पढ़ा लिखा नौजवान था, लेकिन दलित समाज का होने के कारण हर जगह से दुत्कार दिया जाता था। इस कारण ढंग का कहीं भी काम नहीं पाता था। आखिर मुझे एक भले आदमी ने काम दिया। वह काम था मज़दूरी करने का। उसके मकान का काम चल रहा था, इसलिए उसने मिस्त्री के कहने पर काम पर रख लिया। मैं मिस्त्री के अधीन काम करने लगा। उसके कहने पर ईंट तगारी में भर कर लाता और मिस्त्री को दे देता। मिस्त्री उससे दीवार बनाता। कभी कभी सीमेंट और रेती मिला कर ईंट जोड़ने का मसाला भी बनाता। मुझसे जो भी करने को कहा जाता कर देता। मेरा यह काम कुछ दिनों तक चलता रहा।

धीरे-धीरे मैं मिस्त्री का हेल्पर बन गया। फिर जब उस व्यक्ति का मकान बन गया तो मिस्त्री का काम खत्म हो गया और साथ में मेरा भी। मिस्त्री ने मुझे आश्वस्त किया कि कहीं भी उसे काम मिलेगा तो वह उसे बुला लेगा और अपने साथ काम पर रख लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे तो काम करना था कोई भी काम, इसलिए मैं किसी का सामान उठा कर रेलवे स्टेशन ले आता तो किसी का ठेला चलाकर मज़दूरी करता। इस तरह थोड़ा कमाकर अपना पेट भर लेता था, लेकिन इस तरह की छुट्टी मज़दूरी करके अपना पेट अधिक समय तक तो भर नहीं सकता था। मुझे किसी स्थायी काम की तलाश थी।

आखिर खोजबीन करने पर एक आफिस में मुझे झाड़ लगाने का काम मिल गया तो वही करने लगा। थोड़े दिन तक वह काम करता रहा फिर उस भले आदमी ने अपने घर के काम के लिए रख लिया। उसका बाज़ार से सामान लाना, आटा पिसा कर चक्की से लाना, फिर उसके बच्चे को स्कूल छोड़ने और लाने का काम करता, लेकिन पैसा उतना ही मिलता, जितना कि एक नौकर को या मज़दूर को मिलता है। काम पर रखने वाले भी पहले मेरी जाति और धर्म पूछते तभी काम पर रखते। जैसै ही मेरी जाति का पूछते मैं अपनी दलित जाति बता देता तो वे तुरंत मुझे अपने काम से हटा देते। इस तरह कितनी ही जगह से मुझे निकाल दिया गया।

आखिर बहुत भटकने के बाद एक साहब ने मुझे अपने यहां रख लिया। उनके घर के काम करता और बच्चों को स्कूल ले जाता और स्कूल से घर ले आता था। वे कलेक्टर कार्यालय में काम करते थे। एक दिन मुझसे कोई गलती हो गई तो वे साहब मुझ पर बिगड़ पड़े। अनाप शनाप बुरा भला कहने लगे। यहां तक कि उन्होंने मुझे दलित कह कर मेरा घोर अपमान किया। उनके शब्द थे- 'तेरी औकात.ही क्या है, जो हमसे आंख मिला कर बातें कर सके।'

बात आई गई हो गई। समय बदला और मैं अपनी पढ़ाई की ओर ध्यान देने लगा। मेहनत मज़दूरी करता और रात में पढ़ाई। एक मेहरबान व्यक्ति ने मुझे मार्गदर्शन दिया और मैं ग्रेजुएट हो गया, फिर पोस्ट ग्रेजुएट हो गया। फिर उन्हीं मेहरबान व्यक्ति ने मुझे पीएससी परीक्षा में बैठने और बड़ा अफसर बनने की प्रेरणा दी। मैं प्राणपण से उसमें जुट गया। पीएससी की परीक्षा के साथ साथ मैं यूपीएससी की परीक्षा में बैठा। मेरा चयन हो गया तो उन सज्जन ने मुझे शाबाशी दी और हौसला बढ़ाया। यद्यपि वे उच्च जाति के थे, किंतु उन्होंने कभी मुझे दलित नहीं समझा। उन्होंने अपने सद्व्यवहार से मुझे हर तरह से सहयोग और प्रोत्साहन दिया। बाद में मुझे आईएएस के लिए चयनित कर लिया गया। कलेक्टर के पद पर सिलेक्ट करने के बाद मुझे ट्रेनिंग के लिए भेज दिया गया। अच्छे और बुरे दिन जीवन में आते रहते हैं। मेरे बुरे और अभावों के दिन बीत चुके थे। अब मैं कलेक्टर होकर उसी जिले में पदस्थ हो गया। जहां मैं बहुत पहले एक साहब के यहां काम करता था। मैं यह बात अभी तक भूला नहीं था कि कभी उन्होंने मुझे मेरे दलित होने पर हंसी उड़ाई थी और मेरा अपमान किया था। जिस दिन मुझे कलेक्टर के पद पर ज्वाइन होना था। मैंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बुलाकर उन सभी का परिचय पूछा। उनमें वह व्यक्ति भी था। वह व्यक्ति मेरे सामने हाथ बांध कर खड़ा था। उसने मुझे देखा तो उसके चेहरे पर विस्मय के भाव थे। सबके साथ उसने भी अपना परिचय दिया था। वह मन ही मन घबरा भी रहा था कि साहब अब पता नहीं उसके साथ क्या करेंगे। अनिष्ट की आशंका से वह डर भी रहा था ऐसा मैंने महसूस किया था। मैं सबको देखने और परिचय लेने के बाद उनको जाने दिया और अपने काम में जुट गया। दूसरे दिन वह व्यक्ति मेरे चैम्बर में आया। प्यून ने मुझे भीतर आकर बोला 'सर, आपसे मिलने के लिए शर्मा बाबूजी आना चाहते हैं!'

मैंने उसकी ओर देख कर पूछा 'कौन शर्मा बाबू..!' तब उसने शर्मा बाबू के बारे में बताया। मैं समझ गया कि यह वही शर्मा बाबू होगा, जिसके यहां मैं नौकर था। मैंने प्यून से कहा 'भेज दो उसको..!'

शर्मा बाबू आया और सीधा मेरे पैरों में झुक गया। मैंने उसे देखा यह वही व्यक्ति था। उसे उठाते हुए मैंने कहा- 'अरे, ये क्या कर रहे हो।'

वह बोला 'सर मुझे क्षमा कर दीजिए। मैंने अपने घमंड में आकर आपको उस समय भला बुरा कह कर अपमानित किया था। मुझे इस बात का बहुत पछतावा हो रहा है। मुझे अब ऐहसास हो गया कि औकात क्या होती है। मुझे क्षमा कर दीजिए सर..!' कह कर वह गिड़गिड़ाने लगा।

मेरे मन में उसके प्रति कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने उसे समझाते हुए कहा- 'देखो, उस समय तुमने जो कहा था वह उस समय की बात थी। अब उस बात को भूल जाओ। अपने मन में पछतावे का भाव भूल कर अपने काम पर ध्यान दो। मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है।'

यह सुन कर शर्मा बाबू के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोला - 'सर आपने मुझे क्षमा कर दिया। सचमुच आप ग्रेट हैं।'

मैं केवल मुस्कुरा भर दिया। जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान भी नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह इस सामाजिक विषमता भारतीय जनमानस में बहुत गहरी पैठ बनाए हुए हैं। इसके समाप्त होने में अभी काफी समय लगेगा।

शर्मा बाबू मेरे चैम्बर से चला गया, लेकिन एक प्रश्नचिह्न छोड़ गया कि आदमी की औकात क्या होती है। मैं सोचने लगा यदि उसने उस समय मुझे मेरी औकात नहीं बताई होती तो आज मैं उसको अपनी औकात कैसे बताता..!

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

लघुकथा | प्रिया देवांगन 'प्रियू'

अधूरी ख्वाहिश

मम्मी....मम्मी..... सुनिए न! क्या हुआ मेरी गुड़िया? प्रातःकाल से इतना शोर क्यों मचा रही हो? मिन्नी स्वरबद्ध होकर बोली और आकर पीछे से लिपट गई। अच्छा बताओ क्या बात है? मिन्नी बोली– 'मम्मी मेरे दिमाग में बहुत अच्छा आइडिया आया है, आज के लिए।' ओह! ऐसा आज कुछ खास दिन है क्या? मिन्नी अपनी आँखें बड़ी–बड़ी कर हैरान नज़रों से मम्मी को देखने लगी; तभी किचन में पापा जी भी आ गए और दोनों से पूछने लगे- 'क्या बात है? माँ–बेटी में क्या खुसुर–फुसुर हो रही है भई....!' पापा जी थोड़ा मजाकिया अंदाज में बोले। नहीं... नहीं...ऐसी कोई बात नहीं है पापाजी कह कर मिन्नी किचन से चली गई। पापा जी के ऑफिस जाने के बाद मिन्नी बोली 'क्या मम्मी आप भी न..!' ऐसा बोलते ही शांत बैठ गई। ओहहो! ठीक है बाबा बताओ 'क्या–क्या करना है?' मिन्नी ने अपनी मम्मी को पूरी योजना बताई। मम्मी बहुत खुश हुई और बोली एक बिटिया ही तो होती है, अपने पापा के जीवन में हर छोटा–बड़ा सपना को साकार करने में लगी रहती है और बिल्कुल माँ जैसा ख्याल भी रखती है, भाव–विभोर हो मम्मी की आँखें भर आईं। शाम होते ही पापा जी ऑफिस से घर लौटे, थोड़ी देर बाद मिन्नी पापा जी से बोली- 'पापा जी चलिए न मेरे कमरे में!' क्यों? पापा जी बोले। ऐसे ही....कुछ दिखाना है आपको। अच्छा चलो; मम्मी पापा और मिन्नी तीनों कमरे में गए। कमरे में अंधेरा था। 'बिटिया लाइट तो जलाओ।' 'धैर्य रखिए बाबा....। इतनी भी क्या जल्दी है!' मिन्नी पापा की लाडली जो थी। 'ओके बिटिया...।' लाइट जलाते ही पापा जी विस्मित भाव से देखने लगे। सहसा फूलों की वर्षा होने लगी, छोटे–छोटे लाइट जुगनुओं की तरह चमकने लगे, नीचे धरती पर मखमली घास बिछी थी, कोयल के सुमधुर आवाज की तरह धीमे स्वर में गाना चल रहा था, एक प्यार का नगमा है..! टी–टेबल में बहुत सारी मिठाइयाँ, फल–फूल, केक वगैरह.... वगैरह..? केक कट करते ही मिन्नी पापा जी को एक गिफ्ट पैकिंग आहिस्ता से खोलने के लिए बोली। पापा जी भी मुस्कुराते हुए आहिस्ता–आहिस्ता खोलने लगे। खोलते ही उनकी आँखें नम हो गईं और मिन्नी को गले से लगा लिया। पिता, बेटी को प्यार भरी नज़रों से देखने लगे। उन्होंने देखा पापा की एक फेवरेट लैपटॉप उनके सामने रखी हुई है। जिसकी पापा जी को बरसों से अभिलाषा थी। बेटा ये लैपटॉप!! 'ना...ना...पापा जी कुछ न कहिए ये आपके बहुत काम की है, आप दिन–रात, जाग–जाग कर मोबाइल में ही अपनी कविताएं टाइप करते रहते हैं। सो..... मैंने और मम्मी ने सोचा क्यों न पापा जी को सरप्राइज दे दें।' पापा जी बोले 'आज मेरी बेटी इतनी बड़ी हो गई की पापा की ख्वाहिश पूरी कर रही है!' मिन्नी बोली हैप्पी बर्थडे पापा, हैप्पी बर्थ डे माई डियर पापा जी...! तभी कानों में मम्मी की आवाज सुनाई देने लगी। मिन्नी अरी ओ गुड़िया, उठो! बेटा भोर हो गई। कितनी देर तक सोएगी? मिन्नी की आँखें खुलीं, चहुँओर सन्नाटा छाया था। जो कुछ भी हुआ एक स्वप्न था। मिन्नी, मम्मी को गले लगाती हुई अपने पापा को याद कर सिसकियाँ भर–भर कर रोने लगी।

कविता | पूजा गुप्ता

कुछ छोरियां

कुछ छोरियां...
नीरनिधि से निकली,
अमृत कुंभ होती हैं।
जहां भी छलक जाती हैं..
पुण्यस्थान बना देती हैं।

कुछ छोरियां.....
ब्रह्ममुहूर्त की रक्तिम आभा जैसी।
साथ होती है तो....
नई संभावनाओं को जन्म देती है,
राह को रोशनी कर देती है।

कुछ छोरियां अमरबेल होती है...
आलिंगनबद्ध कर लेती है।
पतझड़ हो या मधुऋतु....
हर पल साथ निभाती है।

कुछ छोरियां....
मधुर संगीत होती है।
छू लेती है मन को,
याद आती है बरसों।

कुछ छोरियां...
अमृत फल होती है।
बिखरा देती है रूप सुगंध...
चंचल कर देती है अंतर्मन।

दोहे | अरुण कुमार कैहरबा

पर्यावरण के दूत

पर्यावरण की दूत है, जीवन का सम्मान।
गौरैया जो बची रही, इसमें सबका मान।।

प्यारे-प्यारे गीत हैं, चीं-चीं-चीं का गान।
उसके नर्तन पर करे, आंगन भी अभिमान।।

नन्हीं है आकार में, फिर भी बहुत महान।
इसके होने से रहती है पर्यावरण में जान।।

फसल उगाकर खेत में, इतराता इन्सान।
खाकर जिसे गौरया, हो गई लहुलुहान।।

जहर हवा में घुल रहा, हुआ फूहड़ शोर।
कैसे बचेंगे ऐसे में, गौरया और मोर।।

गौरैया जो ना रही, बचेगा नहीं इन्सान।
इन्सां ही कहलाएगा, सबसे बड़ा हैवान।।

आओ पुराने दौर को, फिर से करें साकार।
प्रकृति व पर्यावरण से, सबको ही हो प्यार।।

धरती व आकाश में, पंछी करें किलोल।
गौरैया के गान पर, सब नाचें दिल खोल।।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

गृहस्थी का रथ

दिव्या तुम बड़े परिवार की इकलौती बेटी हो...भला तुम्हारे लिए रिश्ते की कोई कमी होगी...एक से बढ़कर एक रिश्ते आएंगे तेरे लिए। माँ ने दिव्यांग बेटी को समझाते हुए कहा।

'लेकिन माँ मैं सिर्फ ऐसे लड़के से शादी करूँगी...जो मेरे जैसा ही हो...वो भी दिव्यांग की श्रेणी में आता हो।' दिव्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा।

'बेटी! ये क्या कह रही है तू?' मां ने आश्चर्य से पूछा।

'माँ मैं बिल्कुल ठीक कह रही हूँ, अगर मैं और मेरा पति एक जैसे होंगे..तो हम दोनों के बीच अक्षमता को लेकर कोई कुटिल विचार नहीं आएंगे। एक-दूसरे की भावनाओं को समझ सकेंगे।' दिव्या बोली।

तभी पड़ौस के घर से जोर-जोर से आवाजें आने लगी। 'देखो मैंने तुम से शादी करके तुम पर अहसान किया है...तुमने अपनी सूरत आइने में देखी है कभी।' पड़ौसी रोहित अपनी पत्नी पर चिल्लाते हुए कहा रहा था।

'हाँ...हाँ..मैं नहीं हूँ, तुम जितनी सुंदर, लेकिन मेरे बाप ने भी तुम्हें मुंह माँगी रकम दी थी, हरे-हरे नोटों के सामने तुम्हारी खूबसूरती फीकी पड़ गई थी, मेरे सामने।' रोहित की पत्नी ने भी पलट कर जवाब दिया।

दिव्या बोली, 'देख लिया न....अपने पड़ौस का हाल..क्या अब भी तुम।'

'ना मेरी बच्ची...तू जो कह रही है... बिल्कुल ठीक है। गृहस्थी के रथ के दोनों पहिए बराबर होने चाहिए।' माँ ने बेटी को गले लगाते हुए कहा।

कविता | लवली आनंद

कैसे पी मन भाऊ री

पियर शरीर मोरा लाज से होइहे,
कैसे पी घर जाऊ री.....
देह मिलते सब बिसर गाई मन,
देह त्यागें डर लागे री.....1

लगी दामन में सौ रंग दाग के
अब कौन जतन से छुड़ाऊं री.....
हे सखी मोरा मन धक-धक होइहे,
कैसे पिया से नयन मिलाऊ री...

काम,क्रोध,लोभ,माया सखी जे होइहें,
फिर कैसे पी मन बस जाऊ री....
सुनु सखी मोरा पिया रुसल होइहें,
अब कौन से राग मैं गाऊँ री.....

सब रंग पटिया शरीर जे होइहें,
तो कृष्ण रंग कैसे मैं जानु री...
जो कृष्ण रंग मैं देखन होइहें,
फिर मोहे कोई और रंग न भायो री.

युवा पीढ़ी के लिए वही सच है, जो दिखाया जा रहा है। आजकल की युवा पीढ़ी में साहित्य, लोक कला व संगीत में रुचि नहीं है, ऐसा भी नहीं लगता, बल्कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर प्रदर्शनों की आई बाढ़ से उनमें संयम की कमी नज़र आती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों की बातों को यदि रुचिकर माध्यम से युवाओं तक पहुँचाया जाए, तो सुधार की संभावना है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

युवा पीढ़ी की साहित्य और लोक कला में रुचि नहीं : डॉ. डेजी

साहित्य जगत में हरेक लेखक, साहित्यकार, कवि और लोक कलाकार अपनी संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत रखने के लिए साहित्य संवर्धन करता आ रहा है। ऐसे ही साहित्यकारों में महिला साहित्यकार डा. डेजी 'मुदिता' ने एक शिक्षाविद् होने के बावजूद काव्य और लोक साहित्य लेखन के माध्यम से सामाजिक जीवन में अनसुलझी पहेलियों और समस्याओं को उजागर किया है। यही नहीं अंग्रेजी भाषा शिक्षण और महिला अध्ययन में उन्हें महारत हासिल है, जिसमें उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोधपत्र भी प्रस्तुत हो चुके हैं। भारत-एशिया अध्ययन केंद्र और शिक्षण संस्थान केंद्र में लंबे समय तक सेवारत रही द्विभाषी कवयित्री, लेखिका और अनुवादिका एवं गर्ल्स कॉलेज, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां(सोनीपत) में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा. डेजी 'मुदिता' ने अपने लेखन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, उससे जाहिर है कि वह महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पित हैं। डेजी का जन्म 28 दिसंबर 1970 को सोनीपत में एक शिक्षित परिवार में धर्मवीर सिंह व श्रीमती शांति देवी के घर में हुआ। उनके पिता सीआरए कॉलेज सोनीपत में रसायन विभागाध्यक्ष और सेवानिवृत्ति से पहले दो साल प्रिंसिपल भी रहे। वहीं उनकी माता भी सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका रही। उनके दादा भी उस जमाने के गणित शिक्षक रहे। शिक्षा जगत में खुद एसोसिएट प्रोफेसर डा. डेजी मुदिता तीसरी पीढ़ी है। खास बात ये रही कि उनके परिवार के सदस्य विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। यहां तक कि उनकी बड़ी बहन और बहनोई भी शिक्षक हैं। भाई खेल जगत से बीसीसीआई के साथ जुड़े रहते निजी व्यवसाय में है तो बेटा रैप गायकी व ऑनलाइन स्टार्ट-अप की तैयारी में है, इसलिए उनके परिवार में शिक्षा को सर्वोपरि रखा गया। बकौल डा. डेजी, उनके घर में अखबार और विभिन्न पत्रिकाएं आती थी, जिन्हें पढ़कर उनकी किशोर अवस्था में उपन्यास पढ़ने में रुचि हो गई। कविता का संचार उनके भीतर बचपन से ही था। किशोरावस्था में उनकी मुलाकात सहेली योगिता से हुई, जिनकी एक कविता अखबार में छपी थी, तो उसके मन में भी परिवार से छुपकर कुछ कविताएं लिखी, जिन्हें उसने अपनी सहेली के अलावा किसी अन्य से साझा नहीं की। जब वह नौवीं कक्षा की परीक्षाओं की तैयारी करते हुए जब उनका ध्यान चीटियों पर गया तो वह चंद कविताएं लिखने का उतावली हुई। बारहवीं कक्षा में अध्ययन के दौरान उनकी पहली कविता 'पल भर की आशा' कॉलेज की मैगजीन में छपी। हालांकि उनका असली साहित्यिक सफर तो उसी समय गतिमान हुआ जब वह चालीसवें बंसत में पहुंची। उस समय उनके मित्र व सहकर्मी रवि भूषण ने कहा था कि 'इंसान जिस भी विधा में स्वयं को बेहतर अभिव्यक्त कर सके, उसी में करना चाहिए। साहित्य लेखन के क्षेत्र में उनका पहला काव्य-संकलन 'आस' साल 2009 में प्रकाशित हुआ, उन्होंने कृति की पहली प्रति अपने माता-पिता को को देकर सरप्राइज दिया, जिसे देखकर वे बेहद खुश हुए। इसके बाद 'करवटें मौसम की' और कथा संग्रह 'कटघरे' साल 2017 में पाठकों के समक्ष आए। डा. डेजी का कहना है कि यदि 'साहित्य' को आप केवल प्रकाशित साहित्य की दृष्टि से देखेंगे तो ऐसा साहित्य के प्रति रुचि कम हो रही है, लेकिन इस परिवर्तनशील संसार में आज सत्य पर माध्यम हावी हो चुका है यानी अधिकतर लोग दृश्य-श्रव्य माध्यम से ही जीवन को भी आंकने लगे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. डेजी 'मुदिता' की 14 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। उनकी प्रमुख पुस्तकों में भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण की पुस्तक 'हरियाणा की भाषाएं' नवीनतम कृति है। इसके अलावा उनके काव्य संग्रह–'आस' और 'करवटें मौसम की' के अलावा कथा संग्रह 'कटघरे' भी सुर्खियों में हैं। उन्होंने आधा दर्जन से ज्यादा पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में भी लिखी हैं। पिछले दिनों ही हरियाणा की कवयित्रियों की श्रेष्ठ कविताओं एक एक काव्य संकलन 'धूप में चाँदनी' उनकी दस कवितायें प्रकाशित हुई थी।

डॉ. डेजी 'मुदिता'

पुरस्कार व सम्मान

महिला साहित्यकार एवं कवयित्री डा. डेजी 'मुदिता' को ग्लोबल सोसाइटी ऑफ एजुकेशनल ग्रोथ की ओर से 'भारत शिक्षा रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। शिवयुवा शक्ति संघ के शिक्षक सम्मान के अलावा हरियाणा सरकार भी उन्हें गणतंत्र दिवस और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित कर चुकी है। कवयित्री के रूप में महिला काव्य मंच उन्हें काव्यात्मक प्रतिभा सम्मान से भी अलंकृत कर चुकी है। इसके अलावा विभिन्न साहित्य एवं सामाजिक मंच पर भी उन्हें अनेक पुरस्कार पाने का सौभाग्य मिला है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: डॉ. डेजी 'मुदिता'
जन्मतिथि: 28 दिसंबर 1970
जन्म स्थान: सोनीपत (हरियाणा)
शिक्षा: बी.एस.सी. (नॉन मेडिकल), एमए, एम.फिल(ईएली), पीएच.डी।
संप्रति: एसोसिएट प्रॉफेसर (अंग्रेजी), स्वतंत्र काव्य व कथा लेखन

विसंगतियों पर प्रहार संवेदनाओं की पुकार

पुस्तक समीक्षा | आशा खत्री 'लता'

संवेदनाओं की पुकार लघुकविता सँग्रह आशा विजय विभोर का दूसरा लघुकविता संग्रह है जिसमे 103 रचनाएँ संगृहीत हैं। कवयित्री ने प्रस्तुत कविताओं में समाज में, मानवीय व्यवहार में, व्यवस्था में, राजनीति में व्याप्त विसंगतियों पर डटकर कलम चलाई है।

पुस्तक : संवेदनाओं की पुकार
लेखिका: आशा विजय विभोर
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक: आनन्द कला मंच

कवयित्री ने जहाँ वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को सराहा है वहीं वे युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे की प्रवृति, बलात्कार, मजदूरों के शोषण, प्रकृति को नष्ट करने, नदियों को प्रदूषित करने, कला के नाम पर नग्नता, मांसाहार, बढ़ती महंगाई, प्लास्टिक के उपयोग को रोकने, पर्यावरण प्रदूषण व अन्य अनेक सामयिक विषयों पर खुलकर कलम चलाई है।

आशा जी एक संवेदनशील व्यक्तित्व की धनी हैं। उन्हें मनुष्य का शोषण पीड़ा देता है तो वे पक्षियों की पीड़ा को भी अनुभव और व्यक्त करती हैं। वे मानव के पशु-पक्षियों के प्रति दोगले व्यवहार से कराह उठती हैं। 'गौ सेवा' कविता में उनका तेवर देखिये-

दूध और मक्खन खाकर
मानव का हृदय तृप्त हो जाता
मूत्र तुम्हारा बीमारियों को दूर भगाता
उपलों से तुम्हारे हवन करके
वतावरण शुद्ध हो जाता
खाद से तुम्हारी
पौधों में जीवन आता
फिर भी पंजीकृत बूचड़खानों में
तुम्हारी हत्या से होकर बेपरवाह
स्वांग गौ सेवा का रचा जाता। आजकल मोबाइल का बोलबाला है। आशा जी ने ऑनलाइन सुविधाओं के साथ-साथ उनके नुकसान की तरफ भी ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है। 'संवेदनाओं की पुकार' जिसके शीर्षक को पुस्तक का नाम दिया गया है में कवयित्री माँ की त्याग तपस्या के साथ-साथ बच्चों को माँ द्वारा त्याग दिए जाने की ज्वलंत समस्या पर भी लिखती हैं।

भाषा, सरल, प्रवाहमयी व सहज सम्प्रेषणीय है। आवश्यकतानुसार बात को प्रभावी ढंग से कहने के लिए मुहावरों का प्रयोग जैसे अपना उल्लू सीधा करना, अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना, आँखें बिछाना, आसमान से गिरा खजूर में अटका, दिल बाग-बाग हुआ, भी खूब किया गया है।

आवरण पृष्ठ आकर्षक है। शीर्षक को विषय अनुसार बिलकुल सही लिया गया है। 'अपनी बात' कहते हुए आशा विजय विभोर साथी साहित्यकारों का आभार प्रकट करती हैं। यह उनका बड़प्पन व सहृदयता है।

ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या

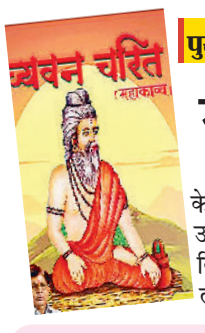

पुस्तक समीक्षा | विदर्भ कुमार

सुप्रसिद्ध रचनाकार डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' द्वारा रचित महाकाव्य कृति 'च्यवन चरित' के अध्ययन, मनन, और अनुशीलन के उपरांत निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि 'च्यवन चरित' कृति महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर एक सफल प्रबंध महाकाव्य कृति है। यह भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अप्रतिम एवं प्रभविष्णु कृति है।

पुस्तक : च्यवन चरित
लेखक: डॉ सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी
मूल्य : 750 रुपये
प्रकाशक: शतरंग प्रकाशन

इसका कथानक बड़ा सरस, रोचक कौतूहलवर्धक एवं सन्देशप्रद है, जो भारतीय वाग्डमय के वैदिक ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या की गई है। डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' ने मूल कथा को मनोवैज्ञानिक आधार पर छन्द के माध्यम से बहुत प्रभावशाली तरीके से सरस शैली में चित्रित किया है तथा कथा से पूर्व समर्पण के रूप में माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की है।

डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' की कृति के मुख्य पात्र च्यवन ऋषि है। इसका उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष आदि चारों पुरुषार्थों को दृष्टिगत रखते हुए मानव जीवन में सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् की स्थापना करना है और त्याग के महत्व को प्रतिपादित करना है। इसमें शांत, शृंगार व करुण रस की प्रधानता है।

सबसे विशेष बात यह है कि इस पुस्तक का देशकाल और वातावरण कथानुरूप है। भाषा सरल, सुबोध, खड़ी बोली हिंदी है। बीच-बीच में तत्सम व तद्भव शब्दों का समावेश भी हुआ है । शैली सरस, चित्रात्मक और विश्लेषणात्मक है। अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग देखते ही बनता है, विशेष रूप से अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, दृष्टांत, श्लेष, अतिशयोक्ति, पुनरुक्ति आदि का प्रयोग हुआ है। निष्कर्षतः जीवन में त्याग की उपादेयता को रेखांकित करती प्रबंध महाकाव्य कृति ' च्यवन चरित' भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव, शीर्षक, सन्देश, काव्य प्रयोजन, उद्देश्य एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अत्यंत उत्कृष्ट एवं उपादेय है।

यह पठनीय एवं संग्रहणीय काव्य कृति में प्रथम बार च्यवन ऋषि के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को एकाकार रूप में प्रस्तुत किया गया है। सुधीजनों एवं साहित्य जगत में यह अपना उल्लेखनीय स्थान बनाएगी, ऐसा मेरा ध्रुव विश्वास है। लेखक साधुवाद के पात्र हैं। शुभकामनाओं सहित।

खबर संक्षेप

निगरानी के लिए 12 नाका टीमें गठित

झज्जर। निष्पक्ष व स्वतंत्र लोकसभा चुनाव संपन्न करवाने के मद्देनजर निगरानी के लिए डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह द्वारा 12 नाका टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें जिला की सीमाओं पर अवैध शराब, मतदान प्रभावित करने वाली संदिग्ध वस्तुओं व अधिक मात्रा में नकदी पर नजर रखेंगी। नाका टीमों को निर्देश हैं कि गैर कानूनी गतिविधि पकड़े जाने पर कार्रवाई करते हुए तुरंत एआरओ को सूचित करें। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक चौबंद है। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि के खिलाफ तुरंत प्रभावी एक्शन लेने के लिए एक्शन प्लान तैयार कर लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि नाका टीमें जिले भर में वाहनों की जांच कर रही है। इसके अलावा एसएसटी व एफएसटी उड़नदस्ते भी चुनाव ड्यूटी में तैनात हैं।

कैप्टन शक्ति सिंह

दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया

कसार और माजरी में लगी आग कर्मियों ने बचाई सांप की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गर्मी लगातार बढ़ रही है और खेतों में गेहूं की कटाई भी जोरों पर है। ऐसे में आग लगने की आशंका गहराई रहती है। रविवार को इलाके के दो गांवों में आग लग गई। कसार में जहां खेतों में तो वहीं माजरी में एक प्लॉट में रखे ईंधन में आग लगी। दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस दौरान एक सांप को भी जलने से बचाया गया।

पहला मामला गांव कसार का है। यहां गेहूं के खेतों के निकट सरकंडों में आग लग गई थी। आग तेजी से फैलने लगी तो ग्रामीणों ने अपने स्तर पर काबू करने के प्रयास किए। दमकल विभाग को भी सूचना दी। मौके पर दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंची लेकिन तब तक ग्रामीण आग को फैलने से रोक चुके थे, अन्यथा बड़ी हानि हो सकती थी। इसके बाद दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए आग पूरी तरह से बुझा दी। एक दमकल कर्मी की मानें तो इस घटना में एक किसान की लगभग डेढ़ बीघा फसल होने की बात सामने आई है। असल पुष्टि जांच के बाद होगी। वहीं, दूसरी तरफ गांव माजरी के एक प्लॉट में रखे बिटोड़े में आग सुलग गई। आग तेजी से फैलने लगी। सूचना पाकर दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझानी शुरू की। इस दौरान एक सांप भी वहां फंसा हुआ था। जिसे देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए लेकिन दमकल कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए सांप को वहां से सुरक्षित निकाल कर उसकी जान बचा ली।

बहादुरगढ़। माजरी में लगी आग बुझाने में जुटे दमकल। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। गांव बराही में लगी आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मी। फोटो :हरिभूमि

बराही के खेतों में भी लगी आग

बहादुरगढ़। गांव बराही के खेतों में आग लग गई। आग लगने से कई एकड़ पराल जल गई। दरअसल, बराही के निवासी सुनील ने कुलासी रोड स्थित अपने खेतों के में 70 एकड़ से अधिक पराल इकट्ठी कर रखी थी। रविवार की शाम को पराल में आग सुलग गई और तेजी से फैलने लगी। ग्रामीणों की नजर पड़ी तो आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के प्रयास चालू की। देर शाम तक आग सुलगी हुई थी। इस घटना से किसान को काफी आर्थिक हानि हुई है। आग लगने का कारण अब स्पष्ट नहीं है।

न्यूज डायरी

बहादुरगढ़। पीजीआई ले जाने के लिए एंबुलेंस में शिफ्ट किए जा रहे घायल।

ऑटो पलटने से दो घायल

बहादुरगढ़। बादली-बहादुरगढ़ मार्ग पर अनियंत्रित होकर एक ऑटो पलट गया। इस हादसे में ऑटो में सवार दो युवक घायल हो गए। इन्हें पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। घायलों की पहचान छिकारा कॉलोनी के निवासी सचिन तथा दीपक के रूप में हुई है। रविवार की सुबह ऑटो बहादुरगढ़ की तरफ आ रहा था। जब सोलधा के निकट पहुंचा तो पलट गया। राहगीरों ने घायलों को संभाला और सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से दोनों घायलों को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया।

स्वास्थ्य दिवस पर किया जागरूक

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्मकुमार व ब्रह्मकुमारियां। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवा केंद्र में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। प्राकृतिक चिकित्सक बीके लवकेश ने बताया कि गर्मी में कम पानी पीने के कारण यूरिक एसिड, पथरी, किडनी रोग, स्किन रोग व कब्ज आदि रोग उत्पन्न होते हैं। ऐसे में भरपूर पानी घूंट घूंटकर पीना चाहिए। बीके विनीता दीदी ने बताया कि स्वास्थय का आधार ही खुशी की खुराक है। जो भी आप खाओ प्रभु प्रसाद समझकर खुशी से खाओगे तो जीवन भर स्वस्थ रहोगे।

जिले भर में 124 स्थानों पर लगाए विशेष नाके

झज्जर। अभियान के दौरान वाहन की जांच करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। जिला पुलिस द्वारा सीलिंग प्लान के तहत जिले भर में विशेष नाकाबंदी करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच की गई। डीसीपी डॉक्टर अर्पित जैन ने बताया कि जिले भर में चिन्हित 124 स्थानों पर नाके लगाए गए और नियमों की अवेहलना करने वाले वाहन चालकों के चालान किए गए। उन्होंने बताया कि चैकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट लगे व ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर विशेष नजर रखी गई। उन्होंने बताया कि यह अभियान जिला के आम नागरिकों की सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम व किसी भी घटना दुर्घटना से निपटने को ध्यान में रखते हुए चलाया गया।

बेरी में आयोजित जन आक्रोश रैली में गरजे हुड्डा

झज्जर। रैली को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। हरियाणा को सरकार नहीं बल्कि ठेकेदार चला रहे हैं। नौकरियों से लेकर गांव के विकास तक को इस सरकार ने ठेकेदारों के हवाले कर दिया है। यह देखकर बड़ा दुख होता है कि 2014 तक विकास में नंबर वन रहे हरियाणा को आज बढ़ते क्राइम के चलते गुंडा प्रदेश कहकर बुलाया जाता है। यह बात पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कस्बा बेरी में आयोजित जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 2005 से लेकर 2014 तक जिस हरियाणा को कांग्रेस सरकार ने संवारा और विकास के हर पैमाने पर अव्वल बनाया था, उसको बीजेपी ने बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। इस दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, विधायक डॉक्टर रघुबीर सिंह कादियान, विधायक गीता भुक्कल, विधायक कुलदीप वत्स सहित अन्य भी मौजूद रहे।

पुराने कोर्ट में हुआ श्याम बाबा का जागरण

बहादुरगढ़। शहर के पुराने कोर्ट परिसर में श्याम बाबा का जागरण आयोजित किया गया। इसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन ने शिरकत की और श्याम दरबार में मत्था टेक क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि के लिए कामना की। जैन ने कहा कि खाटू वाले श्याम बहुत ही दयालु है। सच्चे मन से पूजा अर्चना करने वाले भक्तों के ऊपर आने वाले सभी संकट को दूर करके उनके जीवन में खुशियां भर देते हैं। आयोजन कमेटी के सदस्यों ने स्मृति चिह्न भेंट कर डॉ पंकज जैन का सम्मान किया।

रोहतक में छाए बहादुरगढ़ के बॉक्सर खिलाड़ी

बहादुरगढ़। कोच व परिजनों के साथ विजेता बच्चे। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रोहतक में हुई बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बहादुरगढ़ के बॉक्सर छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां के छह बॉक्सरों ने दो गोल्ड सहित कुल छह मेडल हासिल किए। इनकी जीत पर परिजनों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताई। रविवार को पदक विजेता खिलाड़ियों का जोरदार अभिनंदन किया गया। दरअसल, गत 30 मार्च से छह अप्रैल तक रोहतक में खेलो इंडिया रेक कंबाइंड नेशनल टैलेंट हंट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ था। काफी खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया। बहादुरगढ़ स्थित अहलावत बॉक्सिंग क्लब के खिलाड़ियों ने भी जोर आजमाइश करते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया। अकांशी ने 58 केजी और कार्तिक ने 46 केजी वर्ग में गोलड मेडल जीता। इसी तरह रीत ने 46 केजी तथा कनक ने 70 केजी में सिलवर मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, खुशी ने 33 तो रामकुमार ने 49 किलोग्राम भारवर्ग में ब्रांज मेडल हासिल किया। इन खिलाड़ियों का जोरदार अभिनंदन किया गया। कोच व परिजनों ने इन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। कोच संदीप अहलावत ने कहा कि ये सभी खिलाड़ी बेहद प्रतिभाशाली है। लगातार जीत दर्ज कर इलाके का मान बढ़ा रहे हैं।

बस चालक पर लगाया लापरवाही का आरोप

झज्जर। क्षेत्र के गांव सिलाना स्थित बाईपास पर हुई निजी बस व ट्राला की टक्कर में घायल एक महिला के परिजन ने बस चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकातय में चरखी दादरी निवासी देवेंद्र ने बताया कि वह फिलहाल रायपुर गांव में रहता है। बीती 5 अप्रैल को वह अपनी सास अंगूरी के साथ रोहतक गया था। जब वे दोनों शाम करीब साढे. सात बजे निजी बस में बैठकर अपने गांव जा रहे थे तो बस चालक बस को तेज व लापरवाही से चला रहा था। इस बाबत सवारियों ने उसे टोका भी था। सिलानी बाईपास के नजदीक बस चालक ने अपनी बस को विपरीत दिशा की ओर मोड़ दिया और ऐसे में सामने से तेज गति से आ रहे एक ट्राला के साथ बस की टक्कर हो गई। इस टक्कर में अन्य सवारियों के साथ-साथ उसकी सास को भी चोट आई। उपचार के दौरान नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे रोहतक रैफर कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार छानबीन शुरू कर दी है।

89 लोगों ने किया रक्तदान

- रक्तदान करने से जहां स्वयं का स्वास्थ्य ठीक रहता है वहीं दान का भी पुण्य प्राप्त होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में बेरी के अग्रवाल स्वागत भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। क्षेत्र की गैर-सरकारी संस्था युवा जागृति एवं सामाजिक उत्थान मंच द्वारा आयोजित इस 49वें रक्तदान शिविर में सीजेएम अरविंद कुमार बंसल ने मुख्यातिथि तथा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विक्रम कादियान ने विशिष्टातिथि के रूप में शिरकत की। रक्त एकत्रण का कार्य डॉक्टर प्रवीन व प्रियंका के नेतृत्व में बाढ़सा एम्स संस्थान व डॉक्टर अभिमन्यु कादियान के नेतृत्व में नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक की टीमों द्वारा किया गया। मुख्यातिथि अरविंद कुमार बंसल ने कहा कि दान किए गए रक्त के कारण किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। इसलिए रक्तदान को महादान कहा गया है। विशिष्टातिथि विक्रम कादियान ने कहा कि व्यक्ति को तीन माह के अंतराल में रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान करने से जहां स्वयं का स्वास्थ्य ठीक रहता है वहीं दान का भी पुण्य प्राप्त होता है। इसके बाद अतिथियों द्वारा रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। शिविर में कुल 89 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष दिनेश कुमार, पूर्व अध्यक्ष नवीन बंसल, प्रदीप ऐरण, संदीप जांगड़ा, मोहित वर्मा, बलराम ऐरण, परम बंसल, अमित वर्मा, दिनेश, कर्मजीत छिल्लर, गौशाला बेरी के वरिष्ठ उपप्रधान राजीव मित्तल, राजेंद्र कंसल, अग्रवाल स्वागत भवन की कार्यकारिणी के प्रधान संजय सिंघल, भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री राजबाला, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रेमवती, अनुपमा, संगठन सरंक्षक जय भगवान, ओमप्रकाश आर्य, रमेश बंसल, मीना सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। ताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विक्रम कादियान। फोटो :हरिभूमि

कैंप में 145 को बांटे चश्मे

- 20 लोगों को मोतियाबिंद से ग्रस्त पाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जिला पार्षद रविंद्र बराही द्वारा रविवार को दिल्ली-रोहतक रोड स्थित सैन धर्मशाला में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। कैंप में द्वारका से आई चिकित्सकों की टीम ने लोगों की आंखें जांची। सैन समाज सेवा समिति के प्रधान मनमोहन सैन सहित अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाजपा नेता रविंद्र छिल्लर का स्वागत किया व पगड़ी बांधकर सम्मान किया। कैंप में डॉ. विक्रम छिल्लर व उनकी टीम ने 232 लोगों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान 145 लोगों की आंखें कमजोर मिली। रविंद्र छिल्लर ने उन्हें चश्मे व दवाइयां प्रदान की। जबकि 20 लोगों को मोतियाबिंद से ग्रस्त पाया गया। उनका ऑप्रेशन भी जल्द करवाया जाएगा। रविंद्र छिल्लर के अनुसार वर्ष 2016 से अब तक वे 3172 लोगों की आंखों का ऑप्रेशन करवा चुके हैं और 28 हजार 350 लोगों को चश्मे बांट चुके हैं। इस मौके पर संजय सैन, पन्नालाल, नानक सैन, रमन एडवोकेट, चरण सिंह, हरिओम सैन, बिशन सैन, नारायण सैन, रामनारायण, बिजेंद्र सैन, मयंक सैन, शुभम सैन, बबलू, विक्रांत सैन, दिनेश व सोनू आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। स्वागत व सम्मान के बाद समिति सदस्यों के साथ रविंद्र छिल्लर बराही।

एक शाम लखदातार के नाम कार्यक्रम 20 को

झज्जर। आगामी 20 अप्रैल को शहर के सीताराम गेट स्थित पंचायती धर्मशाला में श्री श्याम महोत्सव एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता धर्मेंद्र बसवाल ने बताया कि कार्यक्रम में रोहित कटारिया, हेमंत नंदा, अमित म्यूजिकल रिवाड़ी, नीलम दीदी वृंदावन, यनिक सैनी, भारत खुराना सहित अन्य कलाकार अपनी मधुरवाणी से एक शाम लखदातार के नाम कार्यक्रम में श्याम बाबा का भजनों से गुणगान करेंगे। विशाल जागरण में बाबा श्याम का आकर्षक दरबार सजाया जाएगा। इस दौरान पांच चांदी के निशान लक्की ड्रा में निकाले जाएंगे।

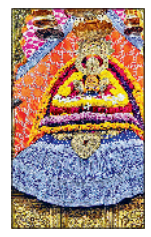

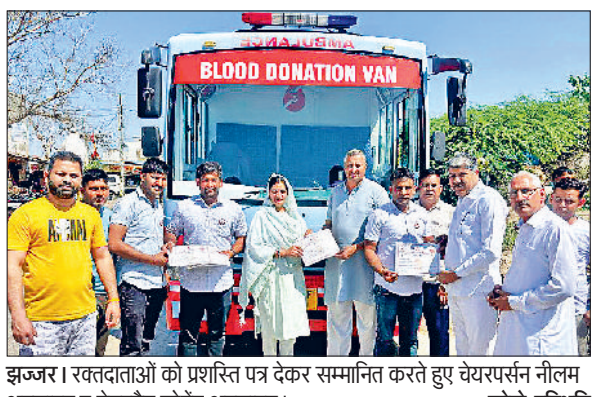

झज्जर। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए चेयरपर्सन नीलम अहलावत व चेयरमैन जोगेंद्र अहलावत। फोटो :हरिभूमि

रक्तदान के लिए 51 लोगों ने हाथ बढ़ाकर कमाया पुण्य

झज्जर। क्षेत्र के गांव धांधलान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टर रश्मि के नेतृत्व में पहुंची पीजीआई रोहतक की टीम ने सेवाएं दीं। इस दौरान 51 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राहुल अहलावत ने की जबकि जिला केंद्रीय सहकारी बैंक चेयरमैन एसोशिएशन हरियाणा की प्रधान एवं दी झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड की चेयरपर्सन नीलम अहलावत व मास्टर हुक्मसिंह वैलफेयर फाउंडेशन के चेयरमैन जोगेंद्र अहलावत मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। युवाओं को नियमित समय के अंतराल पर रक्तदान करना चाहिए। किसी व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी अन्य जरुरतमंद व्यक्ति की जिदंगी बचा सकता है। इस दौरान मुख्यातिथियों द्वारा रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर रोहित, कदम, अजय, नवीन एवं मधुकर शर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

अनाजमंडी

अभी तक 43 हजार क्विंटल सरसों का उठान किया जा चुका, रविवार को गेहूं की खरीद नहीं हुई

सरसों व गेहूं की फसल से अटा मंडी परिसर, उठान कार्य हो रहा धीमी गति से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अनाजमंडी में गेहूं व सरसों की आवक जारी है। उठान कार्य धीमी गति से होने के कारण अनाज मंडी परिसर सरसों व गेहूं से अटा पड़ा है। आढ़तियों को जेसीबी की सहायता से ढेरियां ऊपर करवानी पड़ रही है। मंडी सुपरवाइजर रणदीप ने बताया कि अनाजमंडी में अभी तक कुल 83674 क्विंटल सरसों की आवक दर्ज की गई हैं। इसके अलावा अभी तक 18363 क्विंटल गेहूं की फसल भी मंडी पहुंच चुकी है। सरकार द्वारा निर्धारित खरीद एजेंसी हैफेड के अधिकारियों द्वारा जहां फसल खरीद का कार्य जोरों से किया जा रहा है वहीं साथ-साथ फसल के उठान में लगी है। अभी तक 43 हजार क्विंटल सरसों का उठान भी किया जा चुका है। रविवार को गेहूं की फसल की खरीद नहीं हो पाई। बता दें कि पहले फसल लेकर पहुंचे किसानों को गेट पास कटवाने के लिए घंटों लाइनों में लगना पड़ रहा है। लंबी कतारों को देखकर किसानों द्वारा अन्य काउंटर बनाए जाने की मांग की जा रही थी। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा अतिरिक्त काउंटर भी बनाए गए हैं। इसके अलावा पिछले तीन दिनों से अनाजमंडी परिसर में बनाए गए धर्मकांटे पर भी फसलों का वजन निःशुल्क किया जा रहा है। अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान हरेंद्र सिलाना ने आढ़तियों को दिए अपने संदेश में कहा कि बीते दिनों में आढ़तियों द्वारा जितनी फसल खरीदी है डिटेल दुकान नंबर 38 पर जमा कराएं ताकि उनके आई फार्म व जे फार्म भरे जा सकें।

झज्जर। जेसीबी की सहायता से सरसों की ढेरियों को ऊपर करते हुए, अनाजमंडी में लगी सरसों की ढेरियां व ट्राली से फसल उतारते श्रमिक। फोटो :हरिभूमि

गेटपास बनाने को लेकर भावभेद का आरोप

अनाजमंडी में सरसों की फसल लेकर पहुंचे किसान कृष्ण गुलिया ने गेटपास काटने को लेकर भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि वह रविवार को करीब 25 क्विंटल सरसों ट्रालियों में लेकर अनाजमंडी पहुंचा और गेटपास कटवाने के लिए लाइन में लगा। जब उसका नंबर आया तो कर्मचारियों से उससे कहा कि अभी केवल गेहूं के गेट पास बनाए जा रहे हैं आप कल आना। किसान का कहना है कि जबकि एक अन्य किसान ने उसे रविवार का कटा हुआ ही सरसों का गेटपास दिखाया। इस संबंध में जब मंडी सुपरवाइजर रणदीप से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सर्वर डाउन होने के कारण इस प्रकार की परेशानी आ रही थी जबकि गेहूं के गेट पास चढ़ाए जा रहे थे। ऐसे में कर्मचारियों द्वारा किसानों से सर्वर ठीक होने या अगले दिन आने की बात कही थी।

गोधड़ी गांव से मोटरसाइकिल चोरी

झज्जर। क्षेत्र के गांव गौधड़ी में जलघर के बाहर खड़ी बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में मातनहेल निवासी उमेश उर्फ टिंकू ने बताया कि वह बीते वर्ष गौधड़ी गांव के जलघर में अपरेंटिस के अंतर्गत नौकरी करता था। बीती 4 अप्रैल की शाम वह बाइक पर ठीठ गांव गया था। वापिस आते समय वह गौधड़ी गांव के जलघर में अपने साथियों से मिलने पहुंचा। बाइक जलघर के बाहर सड़क पर खड़ी की थी। उमेश के अनुसार जब वह कुछ देर बाद वापस लौटा तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

सीढ़ियों से गिरने पर प्रवासी की मौत

बहादुरगढ़। सीढ़ियों से गिरकर एक प्रवासी व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान करीब 41 वर्षीय पांचू यादव के रूप में हुई है। मूल रूप से बिहार के बस्ती जिले का रहने वाला था। यहां कुछ समय से लाइनपार के छोटूराम नगर में रह रहा था। पेशे से ड्राइवर था। शनिवार की देर शाम को वह सीढ़ियों से फिसल गया। इस हादसे में उसे काफी चोट आई। उसे अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकत्सिकों ने मौत की पुष्टि कर दी।

डंपर की टक्कर लगने से दो लोग घायल

झज्जर। कोसली बाईपास के नजदीक तेज गति से आ रहे डंपर ने मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को टक्कर मार कर घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में सिलाना गांव निवासी कूपर सिंह ने बताया कि वह बीती 5 अप्रैल को अपने साथ रणखंडा निवासी कर्मबीर के साथ मोटरसाइकिल सवार पर गिरावड़ जा रहे थे। जब वे कोसली बाईपास पर पहुंचे तो एक तेज गति से आ रहे डंपर ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। जिस कारण वे मोटरसाइकिल सवार सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इस दौरान वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कपूर की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रक की चपेट में आने से युवक घायल

झज्जर। क्षेत्र के गांव याकुबपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक युवक को अपनी चपेट में लेकर घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में घेवरा की सर्वोदय कालोनी निवासी साहिल ने बताया कि वह फिलहाल याकूबपुर गांव में किराए पर रहता है। बीती 5 अप्रैल को जब वह अपने दोस्त आकाश के साथ गांव के बस स्टैड पर खड़ा था तो एक गैस एजेंसी के एक ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान उसकी सर्ट ट्रक में उलझ गई जिस कारण वह ट्रक उसे दूर तक घसीट ले गया। बाद में उसके दोस्त ने राहगीरों की मदद से उसे फार्रुखनगर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल कराया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बस में महिला का पर्स चोरी, मामला दर्ज

झज्जर। झज्जर से सुबाना तक के बस के सफर में एक महिला का पर्स चोरी हो गया। पुलिस को दी शिकायत में सुबाना निवासी सोनू पत्नी रविंद्र ने बताया कि वह बीती 4 अप्रैल को अपने मायके डाबौदा कलां से झज्जर आई थी। करीब ढाई बजे वह जब झज्जर से चांदौल जाने वाली बस में बैठकर सुबाना पहुंची और उसने अपना पर्स देखा तो वह चोरी हो चुका था। उसके पर्स में करीब छह हजार रुपये की नकदी के अलावा उसके स्वर्ण आभूषण भी थे। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एचएल सिटी के निदेशक व नाबार्ड के सीजीएम ने किया शिल्पकारों को प्रोत्साहित

राकेश जून और बी नाइक ने शिल्पकारों के हुनर को सराहा

एचएल सिटी क्रॉफ्ट मेले में देशभर के 50 से अधिक प्रतिष्ठित कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बोंदवाल परिवार की वुडन कार्विंग को निहारते राकेश जून व नाबार्ड के सीजीएम बी नाइक का स्वागत करते राजेंद्र बोंदवाल। फोटो : हरिभूमि

प्राचीन कारीगर एसोसिएशन और रूरल अर्बन डेवलेपमेंट फेडरेशन द्वारा एचएल सिटी के एवेन्यू-37 में चल रहे दस दिवसीय क्रॉफ्ट मेले में कलाकृतियों का अवलोकन करने के लिए एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून और नाबार्ड हरियाणा के सीजीएम बी नाइक भी यहां पहुंचे। शिल्पगुरु राजेंद्र बोंदवाल और डॉ. राजेंद्र जांगड़ा ने उन्हें क्षेत्र में चल रहे हस्तशिल्प के कार्यों की जानकारी दी।

बता दें कि एचएल सिटी क्रॉफ्ट मेले में देशभर के 50 से अधिक प्रतिष्ठित कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। इन शिल्पकारों के हाथ का हुनर देखने के उपरांत राकेश जून ने वुडन कार्विंग में विश्वविख्यात बोंदवाल परिवार के मैराथन प्रयासों की सराहना करते हुए हस्तशिल्पियों के समर्पण की भी प्रशंसा की। नाबार्ड के सीजीएम बी नाइक ने शिल्पकारों की कलाकृतियों के अवलोकन उपरांत कहा कि हस्तशिल्प संरक्षण के साथ हस्त शिल्पियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में नाबार्ड लगातार प्रयासरत है। इसके अलावा मार्केटिंग के विकल्प तलाशते हुए उनको आर्थिक लिहाज से अधिक फायदा दिलवाने की कोशिशें जारी हैं। सरकार ने दस्तकारों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चला रखी हैं। नेशनल अवार्डी महाबीर बोंदवाल ने बताया कि हस्तशिल्प के संरक्षण के उद्देश्य से युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्हें बेहतर मंच देने के मकसद से ही लगातार ऐसे आयोजन किए जा रहे हैं। मेले के दौरान रंगारंग प्रस्तुतियों ने भी आंगुतकों को प्रभावित किया। लगातार तीसरे दिन कलाकृतियों को देखने के लिए लोग यहां भारी संख्या में पहुंचे।

बहादुरगढ़। सांस्कृतिक प्रस्तुति के बाद कलाकारों के साथ अतिथि व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। रेलवे रोड पर दुकानदारों को हिदायत देते ट्रैफिक एचएसओ।

अतिक्रमण हटाने के लिए दी चेतावनी

बहादुरगढ़। शहर का रेलवे रोड अतिक्रमण का शिकार है। दुकानों की गहराई से अधिक सामान सड़क पर रखा रहता है। रेहड़ी और वाहन खड़ा होने से रास्ता संकरा हो जाता है। अतिक्रमण को लेकर मिल रही शिकायतों को संज्ञान लेते हुए रविवार को यातायात थाना प्रबंधक विकास कुमार ने दुकानदारों को चेतावनी दी। उन्होंने दुकानदारों को समझाते हुए कहा कि वे सड़क पर अपनी दुकानों का सामान रखने से बचें। अतिक्रमण की वजह से जाम लगता है और लोगों को पैदल चलने में काफी परेशानी होती है। यदि भविष्य में भी सड़क पर सामान नजर आया तो नगर परिषद के सहयोग से उन पर सख्ती बरती जाएगी। आरएसओ सतीश शर्मा और प्रवीण शर्मा ने भी दुकानदारों से अतिक्रमण नहीं करने और सफेद पट्टी से आगे नहीं बढ़ने की अपील की। नगर परिषद के सफाई निरीक्षक सुनील हुड्डा ने कहा कि सड़क पर सामान रखने वाले दुकानदारों का चालान किया जाएगा।

हिमाचल के युवक की निलोठी में मौत

बहादुरगढ़। हिमाचल प्रदेश के निवासी एक युवक की बहादुरगढ़ के गांव निलोठी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पहले तो परिजनों ने मौत पर शंका जताई लेकिन रविवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को हिमाचल ले गए। हृदयाघात से मौत की आशंका जताई जा रही है। असल पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी। पीएम रिपोर्ट के बाद ही पुलिस इस मामले में आगामी कार्रवाई करेगी। मृतक की पहचान करीब 20 वर्षीय प्रदीप के रूप में हुई है। हिमाचल के उना जिले का रहने वाला था। पिछले कुछ समय से यहां निर्माणधीन जम्मू-कटरा एक्सप्रेस वे पर काम में लगा हुआ था। निलोठी में अन्य कर्मियों के साथ ठहरा हुआ था। जानकारी के अनुसार, गत पांच अप्रैल की रात को प्रदीप ने शराब का सेवन किया था। तब ठेकेदार ने प्रदीप के परिजनों को फोन करके कहा था कि इसने अधिक शराब पी रखी है। इसके बाद परिजनों ने प्रदीप के जीजा को निलोठी के लिए रवाना किया। छह अप्रैल की सुबह उसका जीजा यहां आया। प्रदीप बेसुध हालत में था। काफी प्रयास के बाद भी नहीं उठा, देखा तो उसकी सांस थमी हुई थी। आनन-फानन में अस्पताल में लेकर आए तो चिकित्सकों ने मौत की पुष्टि कर दी। यह जानकारी प्रदीप के माता-पिता को दी गई। तब परिजनों ने मौत के कारणों पर शंका जाहिर की थी। इसलिए पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम नहीं कराया और उसके परिजनों का इंतजार किया। परिजन आए तो उनके बयान लिए और रविवार को शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया। मौत अत्याधिक शराब के सेवन से हुई या हृदयाघात से, ये फिलहाल सवाल बना हुआ है। हृदयाघात की आशंका जताई जा रही है लेकिन पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी। जांच अधिकारी देवीलाल का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद आगामी कार्रवाई होगी। फिलहाल 174 के तहत कार्रवाई की गई है।

बहादुरगढ़। गोवा में खेलने वाली खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

गोवा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बहादुरगढ़। गोवा में इंडियन वुमन फुटबॉल लीग का आयोजन हुआ। इस लीग में हरियाणा की तरफ से चैंपियन सिटी बहादुरगढ़ क्लब ने भी हिस्सा लिया। यहां की खिलाड़ियों ने गोवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। टीम ने पांडिचेरी क्लब, गोवा क्लब, गुजरात व हिमाचल क्लब आदि के साथ चार मुकाबले खेले। टीम में संजू, सरोज, प्रीति, गुड़िया, आदिति, श्वेता ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। कोच सुदर्शन व मैनेजर विनय जून के मार्गदर्शन में टीम ने भाग लिया था। अमित जून, राजेश जून, पूनम सिंह, जस्सी जून, दिनेश कौशिक, बंटी सोलधा, मनीषा व सुरेश आदि ने भी इन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

श्री खाटूश्याम का कीर्तन करते हुए निकाली यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। यात्रा के दौरान कलश उठाए चेष्टा नकुल कौशिक व अन्य।

श्री खाटूश्याम सेवा समिति द्वारा रविवार को श्री खाटूश्याम कथा, निशान यात्रा एवं श्री श्याम संकीर्तन पावन महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें सेवामूर्ति दिनेश कौशिक की पुत्रवधू एवं सूर्य कवि पंडित लखमीचंद की पड़पोत्री चेष्टा नकुल कौशिक ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। इसके उपरांत उन्होंने कलश यात्रा में भाग लेते हुए बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा जहां-जहां से भी गुजरी, लोगों ने नतमस्तक होकर भगवान श्री खाटू श्याम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा में भक्तों की तरफ से बड़े-बड़े निशान हाथों में पकड़े हुए थे और भगवान श्री खाटू श्याम जी के जयकारों के साथ पूरा वातावरण गूंज रहा था। इस मौके पर धीरज पूनिया, संतोष गुप्ता, ओमकंवार गुप्ता, तुषार गर्ग, दलीप गुप्ता, हितेश जैन व शिवा आदि मौजूद रहे।

शराब से भरी गाड़ी ने पुलिस को खूब दौड़ाया

बहादुरगढ़। एक गाड़ी सवार युवक ने पुलिस को खूब दौड़ाया। कई किलोमीटर पीछा करने के बाद जैसे-तैसे गाड़ी रोककर चेक की गई तो उसमें काफी मात्रा में अवैध शराब पाई गई। पुलिस ने आरोपी को मौके पर काबू कर उसे हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, इंस्पेक्टर विवेक मलिक की अगुवाई वाली सीआईए-2 की एक टीम गांव बामड़ोली में पुराने टोल के पास वाहनों पर निगरानी कर रही थी। इसी दौरान बामड़ोली की ओर से एक बलेनो गाड़ी आती दिखाई दी। पुलिस को देखकर चालक ने गति धीमी की और गाड़ी मोड़ दी। इसके बाद आसौदा की तरफ भागने लगा। पुलिस ने भी उसका पीछा शुरू कर दिया। इस तरह से वह पहले बराही, फिर आसौदा, किसान चौक से बहादुरगढ़ शहर और फिर नाहरा-नाहरी रोड से कानोंदा की ओर भागने लगा। काफी पीछा करने के बाद उसे खैरपुर मोड़ के पास काबू किया गया। इस तरह से उसे काबू करने में पुलिस को काफी दौड़ लगानी पड़ी। जांच के दौरान गाड़ी में शराब की 53 पेटियां पाई गई। आरोपी की पहचान दीपांशु निवासी बहादुरगढ़ के रूप में हुई है। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि वह रवि नाम के एक युवक के साथ मिलकर यह काम करता है। जल्द ही पुलिस उस शख्स को भी काबू करेगी। मामले में जांच की जा रही है। उधर, अपराध जांच शाखा प्रथम ने खेड़ीजट-बादली मार्ग पर स्थित एक ईंट भट्ठे के पास से क्रेटा गाड़ी चालक को पकड़ा। क्रेटा की तलाशी लेने पर उसमें शराब की 40 पेटियां पाई गई। पकड़े गए आरोपी की पहचान मनोज के रूप में हुई है। उसके खिलाफ बादली थाने में केस दर्ज किया गया है।

- पुलिस ने अवैध शराब सहित दो गाड़ी पकड़ी

शहीद नमन स्थल पहुंचे भगत सिंह के पड़पौत्र

- चित्रकार महेश दलाल की अद्वितीय प्रयास से युवा पीढ़ी लेगी प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। यादुवेंद्र सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते महेश दलाल। फोटो : हरिभूमि

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन और उनके बलिदान के जीवंत समारक शहीद नमन स्थल का अवलोकन करने के लिए शहीद भगत सिंह के पड़पौत्र यादुवेंद्र सिंह रविवार को मांडोठी पहुंचे। दरअसल, चित्रकार महेश कुमार ने मांडोठी स्थित अपने घर को तोड़कर वहां शहीद नमन स्थल बना दिया था। महेश ने कई सालों की तपस्या से शहीद भगत सिंह के जीवन को अपनी तूलिका के माध्यम से कैनवास पर उकेरा है।

शहीद भगत सिंह के परपौत्र यादुवेंद्र सिंह सिंधु ने शहीद नमन स्थल का अवलोकन करने उपरांत कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा स्टेट अवार्ड प्राप्त करने वाले महेश दलाल पेंटिंग की दुनिया में अलग पहचान रखते हैं। उनके इस अद्वितीय प्रयास से युवा पीढ़ी प्रेरणा लेते हुए शहीदों के सपनों का भारत बनाने में अपना योगदान देगी। मांडोठी गांव में बने इस संग्रहालय में सवा सौ तैलचित्र पर स्वतंत्रता संग्राम के साथ ही भगत सिंह की पूरी जीवनी उकेरी गई है। दरअसल, महान शख्सियतों की पेंटिंग बनाते समय महेश पर शहीद भगत सिंह के जीवन चरित्र ने गहरा प्रभाव छोड़ा। जिसके फलस्वरूप उन्होंने करीब 9 साल पहले भगत सिंह के पूरे जीवन को पेंटिंग्स के माध्यम से लोगों के सामने लाने का निर्णय लिया। महेश ने अपने पैतृक मकान को तोड़कर वहां 'शहीद नमन स्थल' के नाम से भगत सिंह को समर्पित संग्रहालय बना दिया। करीब 8 साल पहले तत्कालीन कृषि ओमप्रकाश धनखड़ ने इसकी नींव रखी थी और 25 सितंबर 2021 को कवि हरिओम पंवार ने इसका उद्घाटन किया था। महेश ने इस अद्भुत स्मारक के निर्माण पर करीब 25 लाख रुपए खर्च किए हैं। जबकि करीब छह साल से उसके द्वारा तैयार की जा रही पेंटिंग्स की कीमत लगाना भी असंभव है। भगत सिंह मैत्री संस्था के अध्यक्ष प्रदीप यादव, सतीश तहलान, मनीष परनाला आदि ने भी महेश की मेहनत और जज्बात को सलाम किया।

चैनल सब्सक्राइब करने के नाम पर फ्रॉड मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइब करके पैसे कमाने का लालच देकर ठगी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। साइबर थाना प्रभारी अजय मलिक ने बताया कि बहादुरगढ़ निवासी एक महिला के साथ साइबर ठगों द्वारा ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान परविंदर निवासी फरवाई कलां जिला सिरसा के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए माननीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ के बाद आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

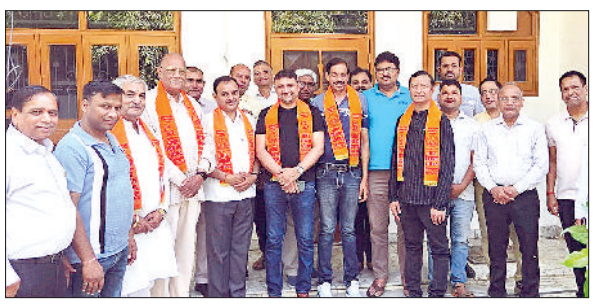

बहादुरगढ़। चुनाव के बाद खुशी जाहिर करते विवेकानंद शाखा के सदस्य।

सुनील बने विवेकानंद शाखा के प्रधान

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा की आम बैठक रविवार को सेक्टर-6 स्थित महाश्रमण सदन में शाखा सरंक्षक पवन जैन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अध्यक्ष पद के लिए सुनील बंसल के नाम पर सहमति बनी। सचिव के पद के लिए नीरज गर्ग को चुना गया। कोषाध्यक्ष के पद पर चंचल गर्ग का चयन हुआ। जिला समन्वयक सतीश शर्मा ने एकजुटता का आह्वान किया। नव चयनित पदाधिकारियों का कार्यकाल मार्च-2025 तक रहेगा। इस अवसर पर प्रांतीय प्रकल्प संयोजक मूलचंद जोशी, पूर्व अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, रिटायर्ड एसडीओ मुकेश शर्मा, विनोद शर्मा, अंकित मित्तल, अशोक गोयल, गजेंद्र यादव, राजेश मिश्रा, अशोक त्यागी, जेपी सिंह, संजय यादव, संजय मित्तल, संदीप दलाल व महेंद्र अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

देशव्यापी अनुष्ठान की तैयारियां हुई तेज

- गांव लोवा कलां में आयोजित पंचायत में बनाई गई कार्यक्रम की रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। पंचायत में मौजूद पालम-360 के प्रधान रामकुमार सोलंकी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

गांव लोवा कलां में 21, 22 व 23 अप्रैल को होने वाले देशव्यापी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियां तेज हो गई हैं। विदित है कि 22 अप्रैल को लोवा सतरहे के प्रधान रहे समाजसेवी श्रीचंद मान की याद में अनुष्ठान (देशोहरी कारज) होगा। जबकि 23 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए देशभर में खाप संगठनों, जनप्रतिनिधियों व आमजन को निमंत्रण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम की तैयारियों (सीधा खरीद) को लेकर रविवार को लोवा कलां में पंचायत बुलाई गई। इसमें दो दिनों में मिष्ठान तैयार करने से लेकर पूरे रीति रिवाज के लिए रूपरेखा बनाई गई।

पंचायत में पहुंचे प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि किसी भी देशोहरी कारज की एक सामजिक प्रक्रिया है। इसी को पूरा करने के लिए यह पंचायत रखी गई। जिसमें सभी की सहमति ली गई। स्व. श्रीचंद मान की याद में उनके पुत्र अशोक मान, दलबीर मान, सिकंदर मान व समस्त परिवार की ओर से खाप 360 पंचायत की अनुमति के बाद यह देशोहरी कारज किया जा रहा है। यह आयोजन 22 अप्रैल को होगा। इससे पहले 21 अप्रैल को भी कार्यक्रम होगा। जबकि 23 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव है।

इस दिन भी हर बार की तरह लोवा कलां में देशव्यापी भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम से कई दिन पहले ही मिठाई बननी शुरू होंगी। इस आयोजन में देशभर से खापें भाग लेंगी। अनेक वीआइपी भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

मांडोठी गोशाला में हुए कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता सेनानी कंवल सिंह दलाल की मूर्ति हुई स्थापित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में कैप्टन कंवल सिंह को श्रद्धांजलि देने उमड़े लोग तथा (इनसेट में) कैप्टन कंवल सिंह दलाल का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ मिलकर देश को आजाद करवाने लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन कंवल सिंह दलाल की मूर्ति रविवार को गांव मांडोठी की गऊशाला में स्थापित की गई। उनके पुत्र दलजीत दलाल, कृष्णा दलाल व राजेश दलाल ने सभी अतिथियों का आभार जताया। मूर्ति का अनावरण राष्ट्रवादी इतिहासकार कपिल कुमार ने किया। शहीद-ए-आजम भगत सिंह के परपौत्र यादवेंद्र सिंधु भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में दलाल चौरासी के प्रधान भूप सिंह, बल्लू प्रधान, सज्जन दलाल, विक्रम कादियान, राजपाल आर्य, कपूर सिंह राठी, जय सिंह आसौदा, महेंद्र प्रधान, कुलवंत सिंह, विक्की दलाल, रामनिवास सैनी व प्रदीप सिन्हा आदि मौजूद रहे।

उन्होंने मूर्ति स्थापना से पहले आयोजित हवन में आहूति डाली। वक्ताओं ने कहा कि युवा पीढ़ी को भी उनके पदचिह्नों पर चलकर देश व समाज उत्थान के कार्य करने चाहिए। बता दें कि गांव मांडोठी में 4 अगस्त 1920 को जन्में कंवल सिंह दलाल ने जापान में नेताजी सुभाषचंद्र बोस के एडीसी के रूप में कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त किया था।

उन्होंने गांव के स्कूल में छठी तक पढ़ने के आद अजमेर मिल्ट्री स्कूल में शिक्षा पाई। कंवल सिंह दलाल 17 मई 1940 को फौज में भर्ती हुए और द्वितीय विश्व युद्ध के चलते जनवरी 1941 में मिडल-ईस्ट और अप्रैल में जर्मनी पहुंचे। फिर 8 अप्रैल 1941 को जर्मन फौज ने उन्हें कैदी बना लिया।

बाद में आजाद हिंद फौज में शामिल होने पर नेताजी ने उन्हें अपने पर्सनल स्टाफ का सदस्य नियुक्त कर दिया। नेताजी की पनडुब्बी से जापान के लिए रवानगी के बाद दलाल भी जहाज द्वारा अढ़ाई महीने की यात्रा कर 3 जुलाई 1943 को जर्मनी से जापान पहुंच गए थे। फिर 8 दिसंबर 1943 को भारत में खुफिया जानकारी जुटाने के लिए पानी के जहाज से द्वारका पहुंचे दलाल ने जानकारियां जुटाकर रंगून और सिंगापुर भेजनी शुरू कर दी। एक साथी की गद्दारी के कारण 26 फरवरी 1944 को अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ लिया और दिल्ली लाकर जासूसी व फौजी बगावत के मुकदमे में फांसी की सजा सुना दी।

लाल किले में चले आईएनए के मुकदमे से देश में हुई बगावत के फलस्वरूप अंग्रेज सरकार ढीली पड़ गई और दलाल की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदल दिया गया। उन्हें लाहौर जेल से 5 नवंबर 1946 को रिहा कर दिया गया।

कंवल सिंह दलाल को आजादी के बाद तत्कालीन पंजाब के पुलिस विभाग में डीएसपी नियुक्त किया गया। तीन विधानसभा चुनाव लड़ने के उपरांत कंवल सिंह ने 4 अगस्त 2003 को अंतिम सांस ली।